सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 240 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 7 अक्टूबर, 2023

सभी सफल लोग बड़े सपने देखने वाले होते हैं। वे सोचते हैं कि उनका भविष्य कैसा हो सकता है, हर तरह से आदर्श, और वे हर रोज अपने विजन, उस लक्ष्य या मकसद के लिए काम करते हैं।

-ब्रायन ट्रेसी

डिस्ट्रॉफी रोगियों का मामला : 251 बच्चों... 7 | सत्ता की दूरी का डर, बार-बार लगवा... 3 | लोस चुनाव में जीतेगा इंडिया गठबंधन... 2

राहुल के इर्द-गिर्द ही होगा लोकसभा चुनाव!

भाजपा के हर बात में राहुल का जिक्र

» पोस्टर से लेकर भाषणों तक में सांसद पर हमला

» डीके शिवकुमार ने कहा- उन्हीं के नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव

» कांग्रेस बोली- राहुल को गिराने में बीजेपी नहीं हो पाई कामयाब, बना रहे जनता के मन में जगह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। धीरे-धीरे कांग्रेस 2024 लोक सभा चुनाव व पांच राज्यों में होने वाले विधान सभा चुनावों के लिए कमर कसने लगी है। कांग्रेस ने पूरी तरह भाजपा को पटखनी देने के लिए अपने सबसे बड़े नेता राहुल गांधी को ही केन्द्र में रखकर सारी रणनीति बना रही है। तभी तो जैसे ही बीजेपी ने उनके खिलाफ गलत पोस्टर जारी किया सारे नेताओं ने मोदी व उनकी चटिया को घेरना शुरू कर दिया।

जहां वेणुगोपाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा है कि वह कांग्रेस के सबसे बड़े नेता को मरवाना चाहती है तो कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने कहा कि उनकी लोप्रियता से प्रधानमंत्री व उनके सिपहसलार डर गए है इसलिए उल्टे-सीधे हथकंडे अपना रहे हैं। कांग्रेस और बीजेपी के बीच गुरुवार से ही सोशल मीडिया पर पोस्टर वॉर जारी है। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा झूठा बताने वाले पोस्टर साझा करने और भाजपा द्वारा राहुल गांधी को नए युग का रावण कहने के एक दिन बाद, शुक्रवार को भी लड़ाई जारी रही और कांग्रेस ने एक पोस्टर साझा किया जिसमें पीएम मोदी को अडानी की कठपुतली के रूप में दर्शाया गया है।

राहुल गांधी की लोकप्रियता से डर गई भाजपा : डीके शिवकुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सांसद राहुल गांधी के पोस्टरों को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच जारी खींचतान के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी अगले चुनाव में देश का नेतृत्व करेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि बीजेपी राहुल गांधी की लोकप्रियता से डर गई है क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा के बाद सांसद के बारे में जो धारणा बीजेपी ने बनाने की कोशिश की थी, वह बदल गई है। वह ऐसे नेता हैं जिन पर नजर रहेगी। वह अगले चुनाव में देश का नेतृत्व करेंगे। हैं। इसके कुछ घंटे बाद बीजेपी ने इस हमले का जवाब एक पोस्टर शेयर कर दिया, जिसमें राहुल गांधी को अरबपति जॉर्ज सोरोस की कठपुतली के तौर पर दिखाया गया है। सोरोस पर कई बार वैचारिक कारणों से कई देशों की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए युग के रावण पोस्टर पर तीव्र हमला बोला है। इसके नेताओं ने कहा कि इस टिप्पणी ने उनकी हत्या के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के नापाक इरादों को उजागर किया है।

नेहरू जी के जमाने से विश्व मामलों में भारत ने एक स्वतंत्र रुख रखा : थरूर

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा भारत के विदेश नीति की तारीफ करने के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति द्वारा किए गए इस तारीफ से खुश हैं। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, मैं यह सुनकर खुश हूं कि रूस के राष्ट्रपति ने भारत के विदेश नीति की तारीफ की। यह 1947 के उस समय की बात है जब हमने अपनी स्वायत्तता बनाए रखने का निर्णय लिया था। उन्होंने आगे कहा, भारत और नेहरू जी से लेकर सभी नेताओं के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण था कि भारत विश्व मामलों में एक स्वतंत्र रुख रखे। यह 1947 से ही हमारी नीति है और मुझे खुशी है कि राष्ट्रपति पुतिन ने हमारी तारीफ की है। दरअसल गुरुवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सोच्ची में वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब की पूर्ण बैठक में शामिल हुए थे। इस बैठक में उन्होंने भारत की तारीफ करते हुए कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि सात प्रतिशत से अधिक है। भारत एक शक्तिशाली देश है। भारत साल-दर-साल अधिक शक्तिशाली होता जा रहा है। इसलिए, भारत संयुक्त राष्ट्र के सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में एक सीट का सही हकदार है।

संजय सिंह के करीबी विवेक त्यागी से ईडी की पूछताछ जारी

» शुक्रवार को जारी किया था समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी संजय सिंह के तीन करीबियों को पूछताछ में शामिल होने के लिए समन जारी किया था। अब जानकारी आ रही है कि आप नेता के करीबी विवेक त्यागी ईडी के दफ्तर पहुंच गए हैं, जहां उनसे संजय सिंह के सामने बैठाकर पूछताछ की जाएगी।

ईडी ने संजय सिंह के तीन सहयोगियों विवेक त्यागी, सर्वेश मिश्रा और कंवरबीर सिंह को पूछताछ के लिए तलब किया था। इसमें से सर्वेश मिश्रा शुक्रवार को ईडी के दफ्तर पहुंच चुके थे। इस दौरान सर्वेश से जब मीडिया से शराब घोटाले के बारे में पूछा तो उन्होंने पत्रकारों से कहा कि सत्य की विजय होगी भरोसा रखिए। ईडी ने शुक्रवार को दावा किया कि आप नेता संजय सिंह के सहयोगी सर्वेश को उनके आवास पर आप नेता की ओर से दो बार में 2 करोड़ रुपये मिले थे। वहीं, संजय सिंह के पीए विजय त्यागी को आरोपी अमित अरोड़ा की कंपनी अरालियास हॉस्पिटैलिटी की व्यावसायिक में हिस्सेदारी की गई थी।

बसपा से आए इमरान मसूद कांग्रेस में शामिल

» पार्टी जहां से कहेगी वहीं से लोकसभा चुनाव लड़ूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बसपा छोड़कर इमरान मसूद ने आज कांग्रेस का हाथ पकड़ लिया। वे पार्टी कार्यालय में विधिवत कांग्रेस में शामिल हो गए। उसके बाद इमरान मसूद ने लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने प्रत्याशी होने के सवाल पर भी जवाब दिया। इसके अलावा इमरान मसूद ने भारतीय जनता पार्टी सांसद रमेश बिधूड़ी और बहुजन समाज पार्टी के सांसद दानिश अली के बीच बीते दिनों हुए विवाद पर पर भी टिप्पणी की।

इसके साथ ही इमरान ने जातिगत जनगणना पर भी अपना पक्ष रखा। लोकसभा चुनाव में चुनाव लड़ने के सवाल पर इमरान मसूद ने कहा कि पार्टी जहांसे लड़ाएगी में लड़ने के लिए तैयार हूं जहां भी पार्टी लड़ने के लिए कहेगी पूरी कोशिश के साथ लडूंगा। जातिगत जनगणना पर कांग्रेस नेता यह बहुत अच्छी पहल है,पूरे देश में जातिगत जनगणना होनी चाहिए। दानिश अली विवाद पर इमरान मसूद ने कहा कि संसद में जो भाषा दानिश अली के लिए बोली गई है वो संसद का अपमान है संसद में ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। इससे पहले इमरान ने कांग्रेस में दुबारा शामिल होने पर कहा था कि मैं अपनी घर वापसी कर रहा हूं, मैं 2024 के चुनाव को बहुत महत्वपूर्ण समझता हूं। यह विपक्षी पार्टी और बीजेपी दोनों के लिए ही जरूरी है।

देश में आज बदलाव की जरूरत है

उन्होंने कहा था कि आज देश में विपक्षी नेताओं किन आवाज को दबाया जा रहा है, पहले विपक्ष की बात को सही से सुना जाता था लेकिन आज वैसी स्थिती नहीं है। देश में आज बदलाव की जरूरत है। इमरान मसूद ने संजीव बालियान द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने की मांग समर्थन करते हुए कहा था कि अगर यह अलग राज्य बनता है तो देश का सबसे समृद्ध राज्य बनेगा।

लोस चुनाव में जीतेगा इंडिया गठबंधन : आतिशी

» सीबीआई-ईडी की रेड से कोई खौफ नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने विपक्षी दलों पर सीबीआई व ईडी की रेड के मामले में केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन पर सीबीआई व ईडी की रेड का कोई खौफ नहीं है। गठबंधन में शामिल सभी दल एक साथ रहेंगे। इसके अलावा वह मोदी सरकार को हराकर रहेंगे। वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा हारेगी और इंडिया जीतेगा इआतिशी ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में कहा कि इंडिया गठबंधन को डराने धमकाने के लिए मोदी सरकार अपनी सारी एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है।

सोनिया गांधी, ममता बनर्जी, शरद पवार, हेमंत सोरेन, एम.के.स्टालिन, संजय सिंह जैसे इंडिया गठबंधन के नेताओं पर रेड हार के डर का नतीजा है, लेकिन इंडिया गठबंधन और आम आदमी पार्टी सीबीआई-ईडी की धमकियों से डरने वाली नहीं है। आतिशी ने कहा कि पांच अप्रैल को डीएमके नेता एमके स्टालिन व उनके पार्टी के नेता सेंथिल बालाजी के घर इनकम टैक्स की रेड हुई, 16 जुलाई को समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव के घर सीबीआई की रेड हुई, 20 जुलाई को शिव सेना (उद्धव ठाकरे) दल के सुजीत पाटेकर के घर और उनसे जुड़ी कई लोकेशन पर ईडी की रेड हुई और उन्हें गिरफ्तार किया गया। 21 जुलाई को कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम के घर व दफ्तर पर सीबीआई की रेड हुई, दो अगस्त को सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े मामलों पर ईडी की रेड हुई, 24 अगस्त को शरद पवार के घर ईडी की रेड हुई, 26 सितंबर को तृणमूल कांग्रेस की नेता व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के यहां ईडी की रेड हुई, 28 सितंबर को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के यहां ईडी की रेड हुई।

जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ प्रस्ताव लाएगा गठबंधन

लखनऊ। विपक्षी समावेशी गठबंधन इंडिया जल्द ही सीबीआई-ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ प्रस्ताव लाएगा। हालांकि उसके घटक दलों के नेता अलग-अलग लगातार इस बात को पहले से ही कह रहे हैं। वहीं, इंडिया गठबंधन भोपाल के बजाय पटना में बड़ी रैली करने की तैयारी कर रहा है, जिसमें भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा। आम आदमी पार्टी के नेता व सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई-ईडी के दुरुपयोग का मुद्दा और अधिक गर्मा गया है। इंडिया में शामिल एनसीपी के नेता शरद पवार ने कहा है कि जब विपक्ष के खिलाफ कुछ नहीं मिलता तो ईडी-सीबीआई के जरिये उन्हें परेशान किया जाता है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी भाजपा को धमकीजीवी कह चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी लगातार सीबीआई-ईडी के दुरुपयोग का सत्ताधारी दल और सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, शुक्रवार को इस मामले में एनसीपी नेता शरद पवार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बीच लंबा विचार-विमर्श हुआ है। इंडिया के अन्य घटक दलों के नेताओं से भी राय-मशविरा करने का निर्णय हुआ है। इंडिया की अब तक हो चुकी तीनों बैठकों के बाद साझा प्रेस कांफ्रेंस में ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग पर सभी दलीय नेताओं ने बात रखी है, पर अब इस प्लेटफॉर्म पर आधिकारिक रूप से इसके खिलाफ प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया गया है। इंडिया के सूत्रों के मुताबिक, पहले तय हुआ था कि इंडिया के बैनर के तले पहली बड़ी रैली भोपाल में की जाएगी, लेकिन विधानसभा चुनाव के कारण कांग्रेस का स्थानीय संगठन अपनी ऊर्जा फिलहाल वहीं तक केंद्रित करना चाहता है। इसलिए अब यह रैली पटना में करने पर विचार किया जा रहा है। इंडिया समन्वय समिति की जल्द ही बैठक होगी, जिसमें इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

राघव चड्ढा को झटका, खाली करना होगा सरकारी आवास!

अदालत ने राज्यसभा सचिवालय को आम आदमी पार्टी (आप) नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को उनके सरकारी आवास से बेदखल करने से रोकने संबंधी फैसले को वापस ले लिया। अदालत ने कहा कि चड्ढा को बंगले पर कब्जा जारी रखने का कोई निहित अधिकार नहीं है क्योंकि यह केवल एक सांसद के रूप में उन्हें दिया गया विशेषाधिकार था। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश सुधांशु कौशिक ने कहा वादी यह दावा नहीं कर सकता कि उसे राज्यसभा के सदस्य के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान आवास पर कब्जा जारी रखने का पूर्ण अधिकार है। सरकारी आवास का आवंटन केवल वादी को दिया गया एक विशेषाधिकार है और उसे इस पर कब्जा जारी रखने का कोई निहित अधिकार नहीं है। आवंटन रद्द होने के बाद भी वही स्थिति है। सितंबर 2022 में चड्ढा को दिल्ली के पंडारा रोड पर टाइप-आठ आवास बंगला आवंटित किया गया था। इस साल मार्च में उन्हें बताया गया कि आवंटन रद्द कर दिया गया है क्योंकि टाइप-सात उनकी पात्रता से अधिक था और उन्हें दूसरा फ्लैट आवंटित किया गया था।

राहुल गांधी के खिलाफ अभद्र भाषा बर्दाश्त नहीं : साहनी

» रावण से तुलना करने पर भाजपा का पुतला जलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। एक सोशल मीडिया के पोस्टर में राहुल गांधी को नए युग के रावण बताने को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता भड़क उठे हैं। जम्मू में इस मामले पर पूर्व मंत्री योगेश साहनी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसीयों ने भाजपा के खिलाफ शहर में विरोध रैली भी निकाली।

उन्होंने भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की और पुतला फूंका। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देश के नेता हैं और हम उनके खिलाफ ऐसी भाषा बर्दाश्त नहीं करेंगे उन्होंने कहा, इस देश की जनता उन्हें पसंद करती है। भाजपा राहुल गांधी के प्रति लोगों के बढ़ते प्यार से डर गई है, इसलिए इस तरह के हथकंडे अपना रही है।

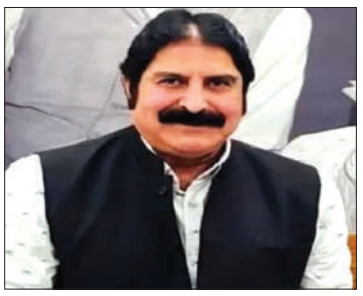

कांग्रेस ने इस कृत्य की कड़ी आलोचना की और इसे पूरी तरह से अस्वीकार्य और खतरनाक बताया। योगेश साहनी ने कहा कि वे भाजपा के ऐसे कृत्यों की निंदा करते हैं। विरोध प्रदर्शन भाजपा के घटिया कृत्य पर अपना गुस्सा दिखाने के लिए है। हम राजभवन तक रैली निकालकर वहां विरोध प्रदर्शन करना चाहते थे, लेकिन हमें ऐसा करने से रोक दिया गया।

पीएम को बेटा नहीं तो दोषी कौन: शक्ति यादव

» नड्डा ने परिवारवाद पर हमला किया तो राजद ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पटना में आरजेडी नेता शक्ति सिंह यादव का विवादित बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी कोटे के प्रधानमंत्रियों को पुत्र रत्न की प्राप्ति नहीं हुई तो इसका जिम्मेदार विपक्ष या देश की जनता नहीं है। आरजेडी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि परिवारवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी के नेता किसको क्या नसीहत दे रहे हैं। सबसे पहले तो उन्हें अपने पार्टी के अंदर नेताओं को नसीहत देनी चाहिए, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी में भी कई नेताओं के पुत्र सांसद मंत्री बने हैं, विधायक हैं।

इसलिए भारतीय जनता पार्टी को परिवारवाद पर बोलने का कोई हक नहीं है। दरअसल, गुरुवार को जेपी नड्डा बिहार दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने एक समारोह में कहा था कि देश के जितने भी परिवारवाद वाले क्षेत्रीय दल हैं, उनका सफाया तय है। उन्हें देश से खत्म हो जाना चाहिए। जेपी नड्डा ने जनसभा में कहा था कि 2024 और 25 में भारतीय जनता पार्टी खुद अकेले देश में और बिहार में सरकार बनाएगी। आगे आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी किसी को अपने कंधे का सहारा नहीं देगी।

भारतीय जनता पार्टी है देश के कंधे पर बोझ

शक्ति सिंह यादव ने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश के कंधे पर बोझ है। देश की जनता इस बोझ को हटाना चाहती है। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि 2024 और 25 में भारतीय जनता पार्टी को एक भी सीट नहीं मिलेगी। आरजेडी प्रवक्ता ने कहा कि 17 सालों तक नीतीश कुमार के कंधों पर बोझ बनकर सत्ता की मलाई खा रहे थे। 17 सालों में जो भी विभाग उनके कोटे में रहा उनकी स्थिति गर्त में डाल दी। राजद नेता ने कहा कि जब 2014 में बीजेपी की स्थिति मजबूत थी। तब 2015 में बिहार की जनता ने उन्हें मिट्टी चढ़ा दी था। अब 2024 में भी बिहार की जनता के साथ देश की जनता भारतीय जनता पार्टी को विदा कर देगी।

योगी सरकार गरीबों को न्याय देने और अपराध रोकने में असमर्थ : अखिलेश

» देवरिया हत्याकांड पर राजनीति कर रही है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने देवरिया कांड में योगी सरकार को घेरा है, उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों को न्याय देने और अपराध रोकने में असमर्थ है। उन्होंने मांग की है कि किसी भी पक्ष के साथ अन्याय न हो। उन्होंने लिखा- देवरिया कांड में अगर किसी भी पक्ष के साथ अन्याय हुआ तो ये भी एक अपराध होगा।

शासन-प्रशासन का दायित्व है कि वो वातावरण को तनावमुक्त करे व रखे और ऐसा कोई भी काम न करे जो माहौल बिगाड़े। यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा- शांति की कोशिश का अंत किसी की हत्या या हत्या का प्रतिकार नहीं हो सकता और न ही ऐसी वारदातें किसी सत्ता के लिए सियासी फ़ायदा उठाने का मौका होनी चाहिए। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा था कि देवरिया में छह लोगों की हत्या के लिए भाजपा सरकार और उसके अधिकारी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कहा कि उनके अधिकारियों की अन्यायपूर्ण कार्य प्रणाली उजागर हो गई है। यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात कर राजनीति करने का आरोप लगाया। इस सप्ताह की शुरुआत में देवरिया जिले में संपत्ति विवाद को लेकर एक ही परिवार के पांच सदस्यों सहित छह लोगों की हत्या कर दी गई थी। यादव ने कहा कि अगर आदित्यनाथ सरकार के अधिकारी परिवारों का जमीन विवाद हल करा देते तो लोगों की बेरहमी से हत्या नहीं होती। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार को इस विवाद का संज्ञान लेना चाहिए था और सभी जिम्मेदार छोटे और बड़े अधिकारियों को निलंबित कर देना चाहिए था, लेकिन सरकार ने अब तक ऐसा नहीं किया है।

प्रेम यादव की बेटी बोली- सरकार कर रही भेदभाव

देवरिया में हुए हत्याकांड मामले में प्रेमचंद यादव की बेटी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। राज्य का सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए प्रेमचंद यादव की बेटी अर्चना ने कहा कि सरकार हमारे साथ भेदभाव कर रही है, वो हमारे घर भी आएं, सत्यप्रकाश का बेटा देवेश नेता के घर पर रह रहा है, उसे नेता सपोर्ट कर रहे हैं, सरकार हमारे साथ भेदभाव कर रही है, उसे नौकरी देने की भी बात कर रहे हैं, उन्हें दोनों पक्षों की बात करनी चाहिए। सत्यप्रकाश का बेटे पर गंभीर आरोप लगाते हुए अर्चना ने कहा कि उनके बेटे देवेश ने मेरे पिता को मारा है, मेरे पापा के पास उस दिन सुबह कॉल आया था, उन्होंने सिर्फ इतना बताया था कि खेत से संबंधित काम को लेकर कॉल था, फिर पापा खेत चले गए. वहां से सत्यप्रकाश दूबे का बड़ा बेटा पापा की बाइक लेकर चला गया, पापा बाइक लेने गए तो पीछे से उनपर वार किया गया, इसके बाद देवेश को वहां से भगा दिया गया था. वही मेरे पापा का कातिल है।

सत्ता की दूरी का डर, बार-बार लगवा रहा पीएम मोदी को दौड़

» कमलनाथ- प्रियंका की सक्रियता से मप्र में कांग्रेस पूरे जोश में

» कांग्रेस की आक्रामकता से भी घबराई बीजेपी

» मध्य प्रदेश में सात महीने में 9 बार पीएम का दौरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में सत्ता को इसबार बरकरार रखना भाजपा के लिए कठिन हो सकता है या कहें कठिन लग रहा है तभी तो उसे इसबार केंद्रीय मंत्रियों से लेकर सांसदों तक को टिकट देनी पड़ रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को जनता खासतौर से महिलाओं से अपने पक्ष में भावुक अपील करनी पड़ रही है। सबसे बड़ी बात ये कि भाजपा के शीर्ष नेताओं को भी शीर्षासन करना पड़ रह मतलब प्रदेश का दौरा बार-बार करना पड़ रहा है। तभी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले सात महीने में 9वीं बार मध्यप्रदेश के दौरे पर पहुंचे। मोदी 9 दौरों से प्रदेश के 25 जिलों की करीब 140 विधानसभा सीटों को कवर कर चुके हैं। पीएम मोदी अपने भाषणों में गरीब, महिलाओं, दलित-आदिवासियों के अलावा पसमांदा मुसलमानों की बात करते हैं। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण को लेकर वे कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियों पर हमलावर भी दिखाई देते हैं।

ऐसे में भाजपा को भरोसा है कि पीएम मोदी के चेहरे की बदौलत वह सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला आसानी से कर लेगी। उधर कांग्रेस ने भी भाजपा को सुख-चैन छीन लिया है। राहुल व प्रियंका गांधी भाजपा की मोदी व शिवराज सरकार को घेरने का कोई भी मौका नहीं छोड़ते। सबसे बड़ी समस्या तो बीजेपी के लिए कमलनाथ व दिग्विजय बने हुए हैं वे दोनों भी शिवराज व मोदी को सुख चैन से नहीं बैठने दे रहें हैं। विपक्ष तो विपक्ष ही है भाजपा अपने नेताओं से भी परेशान हैं जहां दिग्गज नेता कैलाश विजयवर्गीय विधायकी में अपने नाम की घोषणा से नाराज हैं हालांकि वह इससे इंकार कर चुके है तो वही की पूर्व सीएम उमा भारती महिला आरक्षण में ओबीसी के कोटे को लेकर मुखर है। उधर ग्वालियर घराने की छोटी बेटी व ज्योर्तिदित्य सिंधिया की दूसरी बुआ यशोधरा राजे ने चुनाव न लड़ने की घोषणा करके बीजेपी की नीदें हराम कर रखी हैं। हालसुकि भाजपा मोदी के चेहरे को आगे रखकर चुनावी वैतरणी पार लगाने की कोशिश में है शीर्ष नेतृत्व को लगता है कि पीएम को आगे करने से पार्टी के अलग-अलग धड़े भी एकजुट रहेंगे। मध्यप्रदेश के साथ ही इसके सीमावर्ती राजस्थान और छत्तीसगढ़ के साथ दक्षिण के तेलंगाना और पूर्वोत्तर के मिजोरम में भी इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावी राज्यों में 6 से 17 अक्टूबर के बीच कभी भी चुनावी आचार संहिता लागू हो सकती है। लेकिन इसके बहुत पहले ही पीएम इन राज्यों में सक्रिय हो गए हैं। पिछले छह महीने से वे लगातार चुनावी राज्यों में दौरे कर रहे हैं। पीएम के सबसे ज्यादा दौरे राजस्थान और मध्यप्रदेश में ही हुए हैं। पिछले एक साल में पीएम मोदी राजस्थान के 11 दौरे कर चुके हैं। जबकि पीएम ने एक अप्रैल के बाद से अब तक सबसे अधिक दौरे मध्यप्रदेश के किए हैं। सात महीने में 9वीं बार मध्यप्रदेश के दौरे पर आ चुके हैं। छत्तीसगढ़ में अब तक पांच दौरे और तेलंगाना में तीन दौरे कर चुके हैं। एक मात्र मिजोरम ही बचा है, जहां पीएम अब तक नहीं जा सके हैं। ये माना जा रहा है कि चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद भी प्रधानमंत्री की चुनावी सभाएं आयोजित होंगी।

जबलपुर के सहारे महाकौशल की 38 सीटों पर नजर

चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री का यह दौरा और रानी दुर्गावती के स्मारक का भूमिपूजन संयोग नहीं है। इसके पीछे महाकौशल की 38 विधानसभा सीटों को साधकर चुनाव में जीत की राह आसान करने की रणनीति है। भाजपा नेतृत्व इसके जरिए विंध्य क्षेत्र की गोंड आबादी को भी भावनात्मक रूप से साधे रखना चाहता है। 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इन 47 सीटों में से 37 पर कब्जा किया था, लेकिन 2018 के चुनाव में भाजपा के हाथ केवल 16 सीटें आईं। कांग्रेस ने 31 सीटों पर कब्जा किया था। ये सीटें भाजपा को सत्ता से बाहर करने में महत्वपूर्ण साबित हुईं। महाकौशल क्षेत्र में जबलपुर, कटनी, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, मंडला, डिंडौरी और बालाघाट जिले आते हैं। इस क्षेत्र में विधानसभा की 38 सीटें हैं। इनमें से 24 सीटों पर कांग्रेस और 13 पर भाजपा का कब्जा है। एक सीट पर कांग्रेस से बागी होकर ल? निर्दलीय प्रत्याशी की जीत हुई है। इनमें से आदिवासियों के लिए आरक्षित 13 सीटों में से 11 पर कांग्रेस जीती है। केवल दो सीटों पर भाजपा के विधायक हैं। वहीं, अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी तीन सीटें कांग्रेस के कब्जे में हैं। छिंदवाड़ा और डिंडौरी जिलों में तो भाजपा का पूरी तरह सफाया है। केवल कटनी में भाजपा को एक के मुकाबले तीन की बढ़त हासिल है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ इसी क्षेत्र के छिंदवाड़ा का प्रतिनिधित्व करते हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का गृह क्षेत्र जबलपुर ही है। विधानसभा चुनाव में महाकौशल के राजनीतिक महत्व को कांग्रेस भी समझ रही है। इसी वजह से प्रियंका गांधी ने संकल्प 2023 नाम की सभा से चुनाव अभियान का आगाज किया, वह जबलपुर में ही आयोजित हुई। प्रियंका गांधी ने इसी सभा से पांच वादे जारी किए।

कांग्रेस का दावा- प्रदेश में लहर, बनेगी सरकार

प्रदेश की 36 आदिवासी सीटों पर आदिवासी स्वाभिमान यात्रा निकालने वाले प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत भूरिया का मानना है कि प्रदेश में इस बार कांग्रेस की लहर है और जनता का आक्रोश भाजपा सरकार के प्रति नजर आ रहा है। इस बार कांग्रेस की सरकार बनना तय है। जनता ने समझ लिया है जिन्होंने बाबा महाकाल को नहीं छोड़ा, महाकाल लोक बनाने में 50 प्रतिशत कमिशन लिया। वे जनता को लूटने में कमी नहीं रखेंगे। आदिवासी समाज के मुद्दे पर विक्रांत बोले कि प्रदेश में आदिवासियों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार हो रही है। सीधी का पेशाब कांड हो या नीमच में आदिवासी को गाड़ी से बांधने का मामला। इस तरह की कई घटनाएं प्रदेश में रुकने का नाम नहीं ले रही है इनमें भाजपा के लोगों के नाम आ रहे है। घोटाले के मुद्दे पर विक्रांत बोले कि प्रदेश में पटवारी घोटाले हुआ। अयोग्य लोगों से पैसे लिए गए। भाजपा नेतागणों के कॉलेज में परीक्षा में धांधली कर अच्छे नंबरों से उन्हें पास कराया गया। जिन लोगों को नहीं पता कि मध्य प्रदेश की राजधानी क्या है, वे लोग टॉप टेन में आ गए। प्रदेश में योग्य लोगों का शोषण हो रहा है। यह माहौल देखकर जनता मन बना चुकी है कि वह इस बार कांग्रेस का साथ देगी। मालवा निमाड़ में कांग्रेस की स्थिति को लेकर कहा कि पिछले चुनाव में मालवा-निमाड़ में कांग्रेस की सीटें ज्यादा थी। प्रदेश मे मैने आदिवासी स्वाभिमान यात्रा 36 आदिवासी सीटों पर निकली गई। इनमें ज्यादातर मालवा निमाड़ की सीटें थी। वहां कांग्रेस की प्रति जनता का समर्थन देखकर लग रहा है कि प्रदेश में कांग्रेस की लहर है। बूथ स्तर तक संगठन की तैयारी है। यूथ कांग्रेस ने हर बूथ पर पांच कार्यकर्ता तैयार किए है। युवा वर्ग का सरकार के प्रति आक्रोश है। खुद के चुनाव लड़ने पर विक्रांत बोले कि पार्टी चुनाव में जो जिम्मेदारी देगी, उसका आदेश माना जाएगा। हमारी तरफ से पूरी तैयारी है।

यशोधरा राजे बोलीं- गुड बाय शिवपुरी

मध्यप्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने आगामी विधानसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा कर दी है। उन्होंने अपने समर्थकों से अपील की कि वह उनके इस निर्णय के साथ रहेंगे। उन्होंने अपनी मां को याद करते हुए कहा कि मेरी मां से मुझे प्रेरणा मिली, जिसमें उन्होंने 25 से 30 साल उनके पद चिन्हों पर चलते हुए जन सेवा की। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अब निर्णय कर लिया है कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगी। इस मौके पर खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि संकल्प तो पहले ही ले लिया था कि चुनाव नहीं ल?ने वाली हूं। अम्मा के पदचिन्हों पर चलने की जो कोशिश की थी वह 25 से 30 साल में पूरी हो गई। अब नए लोगों को आगे बढ़ाने का समय है। इस तरह से अम्मा महाराज को याद करते हुए खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया भावुक हो गइ। उन्होंने अपनी मां राजमाता विजया राजे सिंधिया को अपने भाषण के दौरान कई बार याद किया। कार्यक्रम के दौरान खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने मंच से भावुक होते हुए कहा कि मैं चुनाव नहीं लडूंगी और उन्होंने शिवपुरी को गुड बाय कह दिया। मंच से अपने चुनाव में ल?ने की घोषणा करते हुए खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि वह स्वास्थ्य कारणों के चलते चुनाव नहीं लड़रही हैं। मंच से उन्होंने कहा कि अब मैं 21 साल की तो हूं नहीं, समय नए लोगों को आगे बढ़ाने का है।

10 साल में एमपी का 35वां दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने नौ साल के कार्यकाल में 34 बार मध्यप्रदेश के दौरे पर आ चुके हैं, जबकि जबलपुर का 35वां दौरा है। इन 34 दौरों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी प्रदेश के 24 जिलों में पहुंचे हैं। अब तक पीएम मध्यप्रदेश के राजधानी भोपाल, इंदौर, रीवा, शहडोल, महाकाल की नगरी उज्जैन, श्योपुर, रतलाम, खरगोन, होशंगाबाद, सीधी, जबलपुर, धार, विदिशा, छतरपुर, मंदसौर, अमरकंटक, महू, झाबुआ, छिंदवाड़ा, राजगढ़, टेकनपुर, सीहोर व खंडवा जिले में आ चुके हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे ज्यादा महाकाल की नगरी उज्जैन, प्रदेश की राजधानी भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर क्षेत्रों का दौरा किया है।

पड़ सकता है पीएम के दौरे का असर

पीएम मोदी 1 अप्रैल को रानी कमलापति से वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाने पहुंचे थे। पीएम ने यहां भी की थी। इस सभा का प्रभाव भोपाल की सात समेत 29 विधानसभा सीटों पर दिख सकता है।21 अप्रैल को रीवा में पंचायती राज सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे। इस सभा का असर रीवा संभाग और पन्ना जिले की 25 सीटों पर दिखाई दे सकता है। 27 जून को भोपाल में वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ और कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने पहुंचे थे। पीएम के इस दौरे का असर भोपाल की सात, रायसेन की चार, राजगढ़ की पांच, नर्मदापुरम की चार, सीहोर की चार और विदिशा की पांच सीटों पर नजर आएगा।पीएम मोदी एक जुलाई को शहडोल में आयुष्मान, सिकलसेल मुक्ति कार्यक्रम का शुभारंभ और आदिवासियों से संवाद करने पहुंचे थे। इस कार्यक्रम का असर आदिवासी बाहुल 26 सीटों पर पड़ने की उम्मीद है।12 अगस्त को पीएम मोदी सागर में संत रविदास मंदिर एवं संग्रहालय के भूमिपूजन में पहुंचे थे। इस असर बुंदेलखंड की 29 सीटों पर नजर आ सकता है।14 सितंबर को सागर जिले के बीना में पेट्रो केमिकल और रिफाइनरी विस्तारीकरण कार्यक्रम की आधारशिला रखने पहुंचे थे। इस रैली का असर बुंदेलखंड समेत 40 सीटों पर दिखाई दे सकता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को मध्यप्रदेश दौरे पर आए। उन्होंने भोपाल के जंबूरी मैदान में भाजपा के कार्यकर्ता महाकुंभ को संबोधित किया। इस कार्यक्रम का असर भोपाल संभाग की 16 सीटों पर दिखाई दे सकता है। दो अक्तूबर को पीएम मोदी ग्वालियर में विकास योजनाओं के शुभारंभ में पहुंचे थे। इस कार्यक्रम का असर ग्वालियर और आसपास की 15 सीटों पर पड़ने की पार्टी को उम्मीद है।पीएम मोदी पांच अक्तूबर को एक बार फिर एमपी पहुंचे। जबलपुर में रानी दुर्गावती स्मारक की नींव रखी। वहीं, छतरपुर जिले में केन-बेतवा लिंक परियोजना की आधारशिला भी रखेंगे। इससे महाकौशल की 30 सीटों को साधने की तैयारी है।अपने इन दौरे के दौरान पीएम तीन बार राजधानी भोपाल में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इसके अलावा दो बार बुंदेलखंड के दौरे पर आए थे। इन दौरे में पीएम सरकारी कार्यक्रमों में शामिल भी हुए और रैलियों को भी संबोधित किया। जिसका असर पार्टी को आसपास के क्षेत्रों की विधानसभा सीटों पर पड़ने की उम्मीद है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

मुफ्त चीजें बांटने की घोषणा सही या गलत!

सियासी दल कोई हो वह वोटों को अपने पक्ष में करने के लिए जनता को फ्री में बिजली, पानी, दवाई, पढ़ाई देने की घोषणा अपने चुनावी घोषणा पत्र में करते हैं। हालांकि जीतने के बाद कई पार्टियों की सरकारों उन वादों को पूरा करने की कोशिश भी है। ये वादे गलत नहीं इसका लाभ आम जन को मिलता है पर सबसे ज्यादा असर उस राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है कभी-कभी इसकी वजह से करोड़ों का कर्ज बढ़ जाता है जिसकी वजह से विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

पिछले कुछ सालो में देखने को आ रहा है कि सियासी दल चुनावों में जनता को रिझाने के लिए मुफ्तवाली वादों की झड़ी लगा देते हैं। सियासी दल कोई हो वह वोटों को अपने पक्ष में करने के लिए जनता को फ्री में बिजली, पानी, दवाई, पढ़ाई देने की घोषणा अपने चुनावी घोषणा पत्र में करते हैं। हालांकि जीतने के बाद कई पार्टियों की सरकारों ने उन वादों को पूरा करने की कोशिश भी है। ये वादे गलत नहीं इसका लाभ आम जन को मिलता है पर सबसे ज्यादा असर उस राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है कभी-कभी इसकी वजह से करोड़ों का कर्ज बढ़ जाता है जिसकी वजह से अन्य विकास कार्य प्रभावित होते हैं।

अब इन्ही समस्याओं को लेकर एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर पहुंचा है। शीर्ष अदालत ने शुक्रवार को विधानसभा चुनावों से पहले मुफ्त चीजें बांटने का आरोप लगाने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, राजस्थान और मध्यप्रदेश से जवाब मांगा है। कोर्ट ने जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया है। दरअसल, विधानसभा चुनावों से पहले राज्यों में मुफ्त चीजें बांटने का आरोप लगाकर एक जनहित याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया है कि इस तरह की चुनावी लाभ वाली मुफ्त योजनाओं से लोगों पर भी बोझ बढ़ता है। याचिका के जरिए विधानसभा चुनाव से पहले मुफ्त चीजें बांटने के वादों पर रोक लगाने की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए सख्त रुख अपनाया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने केंद्र सरकार, चुनाव आयोग, मध्य प्रदेश, राजस्थान और भारतीय रिजर्व बैंक को भी नोटिस जारी किया गया। सभी को जवाब देने के लिए चार हफ्ते का समय दिया गया है। विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को मुफ्त सुविधाएं बांटने का आरोप लगाने वाली इस याचिका को भट्टूलाल जैन द्वारा दायर किया गया है। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील ने सुनवाई के दौरान कहा, चुनाव से पहले सरकार द्वारा नकदी बांटने से ज्यादा क्रूर कुछ नहीं हो सकता। ये हर बार हो रहा है और इसका बोझ आखिर में करदाताओं पर ही पड़ता है। याचिका पर सुनवाई के बाद बेंच ने आदेश दिया कि भट्टूलाल जैन की याचिका को इस मुद्दे पर लंबित अन्य याचिका के साथ टैग किया जाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भ्रामक कोलाहल से बिगड़ते भारत-कनाडा रिश्ते

जी. पार्थसारथी

भारतीय भूमि पर तथाकथित खालिस्तान के प्रति कोई समर्थन न होने और दुनियाभर में फैले सिखों की बड़ी संख्या द्वारा धार्मिक आधार पर अलगाववाद को खारिज करने के बावजूद कनाडा में आतंकी हिंसा और अलगाववाद को बढ़ावा देने वाले फले-फूले हैं। वहां बसे सिखों का अतिवादी छोटा वर्ग इसको हवा देता है। काफी कम संख्या में इस किस्म के तत्व ब्रिटेन में भी हैं और इनसे भी कम गिनती में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में हैं। हालांकि कनाडा अकेला देश नहीं है, जहां बसे विदेशी मूल के आतंकी पंजाब और भारत में अन्य जगह पर गड़बड़ के लिए मदद, वित्तीय सहायता या दिशा निर्देश देते हैं। लगातार ऐसे प्रसंग होते आए हैं, जब इस किस्म के अतिवादी अवैध रूप से पाकिस्तानी सीमा के रास्ते भारत में घुसकर आतंकी हमले करते हैं। विदेशों में रह रहे खालिस्तानियों की कार्यप्रणाली यह है कि ज्यादा चढ़ावे वाले अधिक से अधिक गुरुद्वारों का नियंत्रण अपने हाथ में किया जाए और इस तरह धन एवं स्थान का इस्तेमाल कट्टरता को बढ़ावा देने वाले अड्डे की तरह किया जाए।

वे श्रद्धालुओं से एकत्रित दान का उपयोग विदेशों में चरमपंथी गतिविधियां चलाने में करते हैं। वे अपने हितैषी उम्मीदवार और दल को जीतने में मदद के वास्ते स्थानीय राजनीतिज्ञों और पार्टियों को खुलकर धन देकर सहायता करते हैं। कनाडा इस तरह की गतिविधियों का मूल केंद्र बना हुआ है। कुछ यूरोपियन शहरों में मुट्ठीभर सिख प्रदर्शनों में हिस्सा लेते हैं किंतु कनाडा में हालात एकदम अलहदा हैं, जहां भारत की सुरक्षा को चोट पहुंचाने को दृढ़ संकल्प लोगों को प्रचुर धन मुहैया है। इससे अधिक गंभीर है, कि पाकिस्तान स्थित सबसे पवित्र सिख गुरुधामों की तीर्थ यात्रा पर गए भारतीय यात्रियों को बरगलाना एक आम हरकत है। जब कभी वे लाहौर के डेरा साहिब गुरुद्वारा, जहां पर मुगल बादशाह जहांगीर के राज में पांचवें गुरु अर्जन देव को शहीद किया गया था या फिर गुरु नानक देव के जन्म स्थान ननकाना साहिब गुरुद्वारे जाते हैं, तो कट्टरपंथी उन्हें भारत के विरुद्ध प्रचार से उकसाने का प्रयास करते हैं।

ननकाना साहिब जाने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या ज्यादा है। आजादी के बाद तीन दशकों तक यह गुरुद्वारे पाकिस्तान की उपेक्षा का शिकार रहे, लेकिन घाघ और दोहरे चरित्र वाले जनरल जिया उल हक ने पाकिस्तान में

इन गुरुधामों का इस्तेमाल भारत से गए श्रद्धालुओं को भड़काने में किया जाना तय किया। जनरल जिया द्वारा यह प्रोपेगेंडा फैलाया गया कि सिख और इस्लाम धर्म के सिद्धांतों में बहुत समानता है, जो कि हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म के सिद्धांत से बेमेल है। जबकि भारत से गए सभी सिख भली-भांति जानते हैं कि यह विचार बेतुका है। पाकिस्तान के दुष्प्रचार का निशाना अब मुख्यत: अमेरिका, यूके, कनाडा और भारतीय सिख तीर्थ यात्रियों पर है। पाकिस्तानी सेना और आईएसआई, जो मुख्य रूप से यह नकारात्मक मुहिम चलाते हैं, इनकी मंशा है कि अलगाववाद की भावना और भारत के प्रति नफरत को हवा देने वाली झूठी कहानियां लगातार फैलती रहें। लाहौर के डेरा साहिब गुरुद्वारे के चारों तरफ आईएसआई प्रदत्त खालिस्तानी झंडे फहराने का यह लेखक चश्मदीद गवाह है। यह सारी प्रक्रिया सिख यात्रियों को भरमाने के वास्ते है। यह मंजर प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 'लाहौर मैत्री यात्रा' के वक्त भी जारी रहा। इन हरकतों को अन्यों के अलावा पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की शह भी प्राप्त थी, जो ऊपर से दोस्ती और सौहार्द्र की बातों का दिखावा करते थे, इस तरह वे भारतीयों के एक बड़े वर्ग को गुमराह करते रहे कि वाकई भारत से मित्रता और सहयोग बनाने के तगड़े पैरोकार हैं। यह बात पूर्वाग्रही सोच रखने वाले कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से बरतते वक्त सदा याद रहे। ट्रूडो को दो टूक यह बताने की जरूरत है कि वहां के सिख समुदाय की वोट पाने की चाहत में, उनकी कुल संख्या में बहुत कम गिनती रखने वाले उस वर्ग से गर्मजोशी दिखाकर वे भारत के लिए गंभीर समस्या खड़ी कर रहे हैं, जो भारत में खालिस्तान बनाने की पाकिस्तान के मंसूबों को बल देने में यकीन रखता है। पाकिस्तान भारत में जिहादियों के अभियानों की मदद करे, यह अपेक्षित है, लेकिन इन करतूतों से उसका आर्थिक और राजनीतिक रूप से बहुत नुकसान हुआ है।

वर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और 1968-84 तक कनाडा के प्रधानमंत्री रहे उनके पिता पियरे ट्रूडो का खालिस्तानी आतंकियों से गलबहियां डालने का अजब कृत्य एक झटका है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों के प्रति स्नेह रखना ट्रूडो पिता-पुत्र का कुख्यात इतिहास है।

मानवीय संवेदनाओं के पत्थर होने की टीस

विश्वनाथ सचदेव

महाकाल की नगरी उज्जैन में वह लगभग निर्वस्त्र नाबालिग बेटी घंटों पनाह मांगती रही। पचासों मकानों के दरवाजे खटखटाये थे उसने, पर हर जगह से दुत्कारी गयी वह। सुना है उसके साथ बलात्कार करने वाला आरोपी पकड़ा गया है। हो सकता है उसका अपराध प्रमाणित हो जाये, हो सकता है उसे कड़ी से कड़ी सजा भी मिल जाये। पर महाकाल की नगरी के नागरिकों के मुंह से वह कालिख कैसे मिटेगी जो एक असहाय बेटी को शरण न देने से लगी है। उस नाबालिग बेटी की हालत देखकर भी घंटों कोई दिल नहीं पसीजा, यह स्थिति अपने आप में किसी अपराध से कम नहीं है। सुना है एक ऑटो वाले ने उसे अपना कमीज उतार कर अवश्य दे दिया था, पर यह बात उसे नहीं सूझी कि इतनी सहानुभूति पर्याप्त नहीं थी, जरूरत उस बच्ची को अस्पताल ले जाने की थी। अब वह ऑटो वाला इस बात पर खेद व्यक्त कर रहा है कि यह बात उसे क्यों नहीं सूझी। हां, एक व्यक्ति को सूझी थी यह बात। वह उसे अस्पताल भी ले गया। काश?! पहले कोई यह काम कर देता तो उस अभागी बच्ची की स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती।

आरोपी के पिता का यह कहना है कि यदि मेरे बेटे ने यह जघन्य अपराध किया है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। वह लड़की मेरी भी बेटी है! पर बलात्कार की शिकार हुई कन्याओं के बारे में कितने लोग इस तरह की सोच रखते हैं? आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2022 में देशभर में 31 हजार से अधिक बलात्कार के मामले पुलिस ने दर्ज किये थे। हर बीस मिनट में एक बलात्कार हो रहा है हमारे देश में! और यह संख्या तो उन मामलों की है जो पुलिस में दर्ज कराये गये हैं, उन मामलों की संख्या कौन बता सकता है जो पुलिस तक पहुंचे ही नहीं।

बहरहाल, महिलाओं के खिलाफ इस जघन्य अपराध के बारे में अक्सर चर्चा होती रहती है। पर सवाल तो यह है कि इस बारे में बात क्यों नहीं होती कि उज्जैन में हुए इस शर्मनाक कांड में उस बच्ची की पुकार पर सैकड़ों दरवाजे खुले क्यों नहीं? क्यों किसी का मन नहीं पसीजा? क्यों लोगों को यह नहीं लगा कि खून में लथपथ वह लगभग निर्वस्त्र बच्ची उनकी भी हो सकती है? कुछ ही अर्सा पहले हमने मीडिया में मणिपुर की उन दो महिलाओं की शर्मनाक खबर देखी-सुनी थी, जिन्हें निर्वस्त्र करके सड़कों पर घुमाया गया था। निर्वस्त्र कहने से शायद बात की गंभीरता उतनी उजागर नहीं होती जितनी 'नंगा' कहने से होती है। सैकड़ों लोग थे मणिपुर की सड़कों पर निकाले गये मनुष्यता को शर्मसार करने वाले उसे जुलूस में। कहां चली गयी थी उनकी आंखों की शर्म? क्यों उस भीड़ में किसी को इस बात पर शर्म नहीं आयी कि महिलाओं के साथ यह व्यवहार समूची मानवीय संवेदनाओं के पत्थर होते जाने की कहानी कह रहा है? मणिपुर की उस भीड़ में शामिल हर व्यक्ति वहशी नहीं हो सकता, तो फिर उस भीड़ में से किसी ने यह आवाज क्यों नहीं उठायी कि यह अत्याचार असह्य है? सच तो यह है कि बलात्कार जैसा जघन्य अपराध करने वाला ही अपराधी नहीं है, अपराधी वह हर व्यक्ति है जो किसी भी रूप में ऐसे अपराध का हिस्सेदार है। मणिपुर की सड़क हो या उज्जैन के बंद दरवाजे, सबकी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि हम एक संवेदनहीन समाज में बदलते जा रहे हैं। यह संवेदनहीनता मनुष्यता का नकार है, इस बात को समझना होगा।

आखिर क्यों उज्जैन में पनाह मांगती उस बेटी को घंटों सड़क पर बिलखना पड़ाड़ उसे देखकर क्यों कोई आंख नम नहीं हुई? क्यों मणिपुर की सड़कों पर महिलाओं के साथ वहशियाना हरकत करने वालों को रोकने के लिए एक भी हाथ नहीं उठा? क्यों किसी को गुस्सा नहीं आया? क्यों किसी को शर्म नहीं आयी। क्यों किसी को यह नहीं लगा कि ऐसे में उसका भी कोई कर्तव्य बनता है? इन और ऐसे सारे सवालों के जवाब तलाशने की जरूरत है। जरूरत है यह समझने की कि जिंदा समाज ऐसी हरकतों पर चुप नहीं रहता, नहीं रह सकता। समाज व्यक्तियों के एक समूह का नाम है, जो कुछ मूल्यों के अनुसार एक-दूसरे से जुड़े होते हैं। एक अलिखित समझौता होता है इन व्यक्तियों के बीच- हम सब मनुष्य हैं और इस नाते एक-दूसरे की खुशियों और गमों के हिस्सेदार हैं हम सब। संवेदनशीलता एक ऐसा मूल्य है जो हमें मनुष्य बने रहने के लायक बनाता है। इस संवेदनशीलता का तकाजा है कि हम एक-दूसरे की पीड़ा को पहचानें। उसे कम करने की कोशिश करें। मानव-समाज के रूप में हमारी एक सामूहिक पीड़ा यह होनी चाहिए कि दूसरे को कांटा चुभता है तो हमें दर्द क्यों नहीं होता?

इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने एक सवाल यह भी है कि प्रगति के नाम पर जो कुछ हो रहा है, उसमें कहीं एक बड़ी कमी यह है कि हमारी इस प्रगति-यात्रा में हमारे भीतर की मनुष्यता का रस कहीं सूखता जा रहा है। मनुष्यता के इस सूखते रस का अहसास किसी रूस या किसी यूक्रेन के बीच हो रहे युद्ध से ही नहीं होता, आदमी और आदमी के बीच बढ़ती दूरी भी यह अहसास कराती है। 'जिसके कंधे पर सूरज उगा/ उसको कहते थे कल आदमी/ नाम तो आज भी है वही/ आदमीयत कहीं खो गयी।' उज्जैन में उस बच्ची के साथ जो हुआ, या फिर मणिपुर की सड़कों पर महिलाओं के साथ जो हैवानियत बरती गयी, कुल मिलाकर आदमीयत के कहीं खोने की ही पीड़ादायक कहानी है। इस खोती हुई आदमीयत को बचाना होगा। तब आदमी बचेगा। अपने भीतर के आदमी को बचाने का संघर्ष हर व्यक्ति को पहले अपने भीतर ही शुरू करना होगा।

स्वस्थ फेफड़ों के लिए डाइट में शामिल करें ये फूड्स

फेफड़े शरीर का अहम हिस्सा है। हेल्दी फेफड़े हमें कई तरह की बीमारियां जैसे अस्थमा, निमोनिया आदि के खतरे से बचाते हैं। इन दिनों बदलती लाइफस्टाइल और अनहेल्दी फूड्स के कारण फेफड़े कमजोर हो रहे हैं, जिससे लोगों को सांस फूलने या सांस लेने में समस्याएं हो रही हैं। फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए आप अपनी डाइट में कुछ हेल्दी फूड्स शामिल कर सकते हैं।

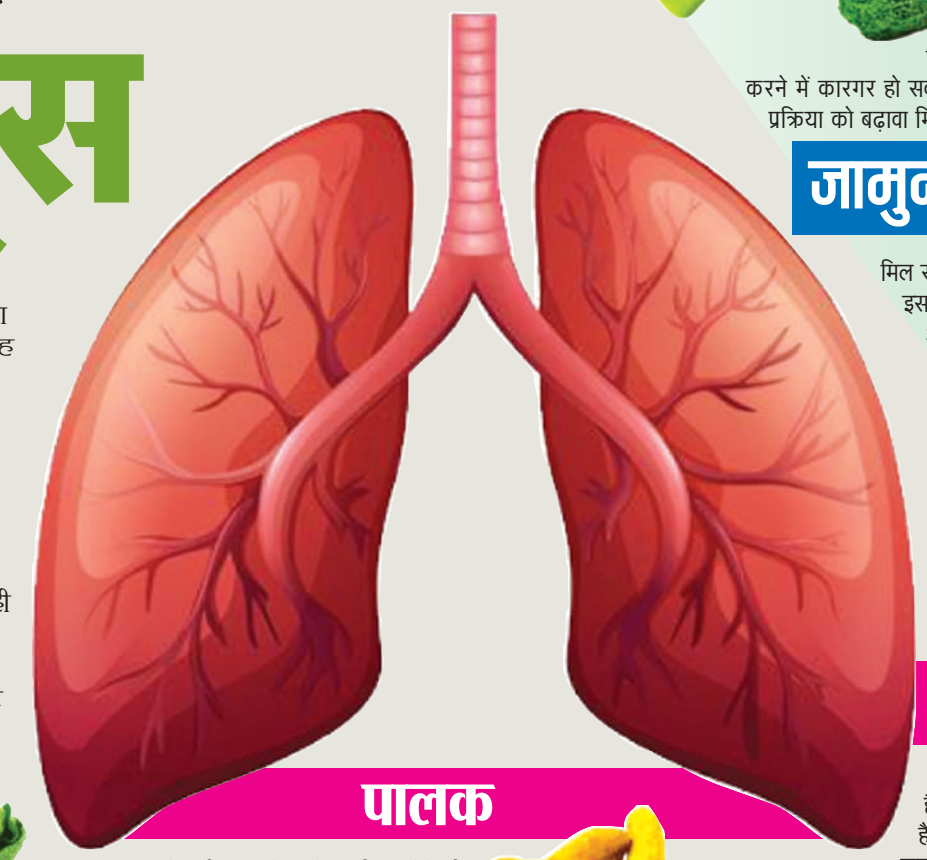

ब्रोकली

फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए आप अपनी डाइट में ब्रोकली शामिल कर सकते हैं। यह कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है, इसमें विटामिन सी, फोलेट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो फेफड़ों को हेल्दी रखते हैं। इसमें किसी भी सब्जी से ज्यादा न्यूट्रीशन्स होते हैं। जब हम अपनी डाइट में हरी सब्जियों को शामिल करने के बारे में सोचते हैं, तो यकीनन ही ब्रोकली हमारे दिमाग में सबसे पहले आती है।

लहसुन

पोषक तत्वों से भरपूर लहसुन इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मददगार है। नियमित रूप से लहसुन के सेवन से कई तरह के संक्रमण से बच सकते हैं। लहसुन के फायदे में वजन कम करना भी शामिल है। एनसीबीआई द्वारा पब्लिश एक शोध में दिया है कि लहसुन में एंटी-ओबेसिटी गुण होता है, जो मोटापे को कम करने में कारगर हो सकता है। इसके अलावा, लहसुन से थर्मोजेनेसिस यानी गर्मी उत्पादन करने वाली प्रक्रिया को बढ़ावा मिलता है। इसे फैट बर्न करने के लिए जाना जाता है।

जामुन

जामुन एंटी ऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो फेफड़ों को हानिकारक प्रभावों से बचाने में मदद करते हैं। जिससे आप फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं से बच सकते हैं। जामुन खाने से अस्थमा जैसी गंभीर बीमारी को कम करने में मदद मिल सकती है। जामुन के रस का उपयोग करने से मुहांसों को कम किया जा सकता है। इसके लिए जामुन या इसकी पतियों के रस को त्वचा पर लगाने से ये अधिक मात्रा में तेल को त्वचा पर आने से रोकता है जिससे पिंपल्स जैसी समस्या से निजात मिलती हैं। जामुन फल में कषाय गुण होते हैं, जिसके कारण यह त्वचा के विकरो मैं फायदेमंद होती है।

पालक

पालक में एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो सांस से जुड़ी समस्या को कम करते हैं। इसके अलावा, पालक विटामिन-सी का समृद्ध स्रोत है, जो फेफड़ों को स्वस्थ रखता है। विटामिन ए की उच्च मात्रा काफी हद तक संक्रमण और सूजन को रोकने में मदद करती है। यह श्वसन, मूत्र और आंत्र पथ के श्लेष्म झिल्ली को मजबूत करता है। विटामिन ए भी लिम्फोसाइटों (श्वेत रक्त कोशिकाओं) का एक प्रमुख घटक है जो मानव शरीर में रोगों का मुकाबला करता है।

हल्दी

हल्दी औषधीय गुणों से भरपूर होती है। यह आपको कई बीमारियों से बचाती है। हल्दी युक्त फूड्स खाने से फेफड़ों में सूजन की समस्या कम होती है। हल्दी में मौजूद करक्यूमिन शरीर में कैंसर के विकास को रोकने में बहुत प्रभावी पाया गया है। यह कीमोथेरेपी के प्रभावों को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इस बात पर ध्यान दिया देना चाइये कि ताजी जमीन काली मिर्च के साथ संयोजन में उपयोग किए जाने पर हल्दी की कैंसर की रोकथाम क्षमता और भी मजबूत हो जाती है। हल्दी में उत्कृष्ट जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं। यह त्वरित और कुशल घाव भरने के उद्देश्य से उपयोग किए जाने पर इसे बेहद उपयोगी बनाता है।

अदरक

अदरक खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इसमें एंटी इंफ्लमेटरी गुण पाए जाते हैं। फेफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए आप अपनी डाइट में अदरक शामिल कर सकते हैं। इससे फेफड़ों की सेहत में सुधार होता है। बालों को झड़ने से रोकने में अदरक का मैग्नीशियम बहुत ही कारगर तरीके से काम करता है।

हंसना मना है

डॉक्टर ने आदमी से पुछा, क्या आप का और आपकी बीवी का खून एक ही है? आदमी ने कहा, क्यों नही? ज़रूर होगा! पचास साल से मेरा ही खून जो पी रही है।

पति- अल्लाह ने तुम्हें 2 आंखे दी हैं, चावल से पत्थर नही निकाल सकती? पत्नी- अल्लाह ने तुम्हे 32 दांत दिए है, 2-4 पत्थर नही चबा सकते?

अर्ज है- रोज-रोज वजन नापकर क्या करना है, एक दिन तो सबने मरना है, चार दिन की है जिंदगी, खा लो जी भर के, अगला जन्म फिर 3 किलो से शुरू करना है!

थप्पड मारने पर नाराज वाईफ से हसबंड बोला-आदमी उसी को मारता है जिससे वो प्यार करता है। वाईफ ने हसबंड को 2 थप्पड मारे और बोली आप क्या समझते है मैं आपसे प्यार नहीं करती।

वाईफ- प्लीज बाइक तेज ना चलाओ, मुझे डर लग रहा है। सरदार- अगर तुझे भी डर लग रहा है, तो मेरी तरह आंखें बंद कर ले।

पत्नी- डॉक्टर साहब..मेरे पति को रात में बडबड़ाने की आदत है, कोई उपाय बतायें? डॉक्टर-आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करे..

कहानी — ऊंट की गर्दन

बीरबल की सूझबूझ और हाजिर जवाबी से बादशाह अकबर बहुत रहते थे। बीरबल किसी भी समस्या का हल चुटकियों में निकाल देते थे। एक दिन बीरबल की चतुराई से खुश होकर बादशाह अकबर ने उन्हें इनाम देने की घोषणा कर दी। काफी समय बीत गया और बादशाह इस घोषणा के बारे में भूल गए। उधर बीरबल इनाम के इंतजार में कब से बैठे थे। बीरबल इस उलझन में थे कि वो बादशाह अकबर को इनाम की बात कैसे याद दिलाएं। एक शाम बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है? बादशाह अकबर का सवाल सुनते ही बीरबल को उन्हें इनाम की बात याद दिलाने का मौका मिल गया। बीरबल से झट से उत्तर दिया, महाराज, दरअसल यह ऊंट किसी से किया हुआ अपना वादा भूल गया था, तब से इसकी गर्दन ऐसी ही है। बीरबल ने आगे कहा, लोगों का यह मानना है कि जो भी व्यक्ति अपना किया हुआ वादा भूल जाता है, उसकी गर्दन इसी तरह मुड़ जाती है। बीरबल की बात सुनकर बादशाह हैरान हो गए और उन्हें बीरबल से किया हुआ अपना वादा याद आ गया। उन्होंने बीरबल से जल्दी महल चलने को कहा। महल पहुंचते ही बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम दिया और उससे पूछा, मेरी गर्दन ऊंट की तरह तो नहीं हो जाएगी न? बीरबल ने मुस्कुराकर जवाब दिया, नहीं महाराज। यह सुनकर बादशाह और बीरबल दोनों ठहाके लगाकर हंस दिए। इस तरह बीरबल ने बादशाह अकबर को नाराज किए बगैर उन्हें अपना किया हुआ वादा याद दिलाया और अपना इनाम लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज अधिकारी आपके कार्य की प्रशंसा करेंगे। कोई अच्छी खबर मिल सकती है। घर के सदस्यों के साथ आज का दिन बहुत ही मजेदार गुजरेगा।

वृषभ — आज यदि आप अपने प्रियजनों के साथ रूपए पैसे का लेनदेन करने की सोच रहे हैं, तो उसे कुछ समय के लिए टाल दे, नहीं तो आपका वह धन फंस सकता है।

मिथुन — आपका दिन बेहतरीन रहेगा। व्यापार में आपको उम्मीद से अधिक फायदा होगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

कर्क — आज आपका उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल रहेगा।

सिंह — आज का दिन आपके लिए आमदनी के नए नए स्त्रोत खोलेगा, लेकिन इसके लिए आपको अपनी वाणी को नियंत्रण में रखना होगा व उसमें मधुरता बनाए रखनी होगी।

कन्या — आपका दिन घूमने-फिरने में अधिक बीतेगा। परिवार वाले आपको अच्छी राय देंगे। आपके व्यापार में उम्मीद से अधिक धन लाभ होगा।

तुला — आज सेहत थोड़ी नाजुक रह सकती हैं। किसी बड़े काम के होने से प्रसन्नता रहेगी। आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सकून मिलेगा।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए निराशाजनक रहने वाला है। आज आपको अपने बिजनेस में मन के मुताबिक परिणाम ना मिलने से आपको निराशा होगी।

धनु — आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स को शिक्षकों का सपोर्ट मिलेगा। आने वाले समय में आपकी महत्वकांक्षाएं बढ़ेंगी।

मकर — आज आपके अधूरे काम पूरे हो जायेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। रुका हुआ पैसा मिलने के योग बन रहे हैं। किसी से उधार पैसा भी लेना पड़ सकता है।

कुम्भ — आज का दिन थोड़ा तनाव लेकर आएगा। आज आपको कोई ऐसी सूचना प्राप्त होगी, जिसके कारण आप प्रसन्न चित्त हो उठेंगे। संतान की ओर से कोई शुभ सूचना प्राप्त होगी।

मीन — आपका दिन शानदार रहेगा। आपको परिवार से जुड़ी कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ेंगी, जो कि आप अच्छे से संभाल लेंगे। साथ काम करने वाले लोगों से आपको मदद मिलेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

70 के बुजुर्ग ने मेरे साथ की छेड़छाड़ : ईशा चोपड़ा

वेब सीरीज मेड इन हेवन में अपनी एक्टिंग के लिए वाह वाही बटोरने वाली अभिनेत्री ईशा चोपड़ा। ईशा चोपड़ा ने एक पोस्ट शेयर की है। इस पोस्ट में उन्होंने एक ऐसा दर्दनाक अनुभव शेयर किया है, जिसे जानकर हर कोई दंग है। ईशा चोपड़ा ने यह भी बताया है कि वह इसी घटना की वजह से पिछले कुछ दिन से सोशल मीडिया से दूर थीं। ईशा चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर लंबी पोस्ट में पूरी आपबीती सुनाई है। जिसमें उन्होंने अपने साथ हुए इस डरा देने वाले वाकये को सुनाया है। ईशा चोपड़ा ने लिखा है, लगभग 10 दिन पहले एक पब्लिक प्लेस पर एक अनजान आदमी ने मेरे साथ छेड़छाड़ की। उसने मुझे दबोच लिया। वह अच्छे कपड़े पहने हुए था। पढ़ा-लिखा लग रहा था और उसकी उम्र 70 साल के करीब थी। वह मेरे पास आया और अपना परिचय दिया। उसने मेरे हाथ मिलाने को यह समझ लिया कि उसे मुझे अपनी ओर खींचने का निमंत्रण मिल गया है। जहां मन किया अपने हाथों से छूने लगा। ईशा ने बताया है कि वह सबकुछ इतना जल्दी हुआ कि वह एकदम फ्रीज हो गई थीं। कुछ समझ नहीं पाई कि क्या करें। ईशा चोपड़ा के मुताबिक, उनके लिए जैसे सबकुछ रुक गया था, और वह शख्स बड़े आराम से वहां से निकल गया। ईशा चोपड़ा ने पोस्ट में आगे बताया है कि जब वह 7 साल की थी, तब पहली बार उन्होंने इस तरह के एब्यूज का सामना किया था। उस आदमी का चेहरा उन्हें आज तक भी याद है।

आलिया भट्ट दिखाने आ रही हैं 'जिगरा'

2024 में रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले आलिया भट्ट की अपकमिंग फिल्म जिगरा का निर्माण किया जा रहा है। इससे पहले आलिया ने करण की फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आई थी। फिल्म की शूटिंग अभी शुरू हो गई है और फिल्म अगले साल रिलीज की जाएगी।

टॉप एक्ट्रेसेस की बात करें तो आलिया भट्ट का नाम इस लिस्ट में जरूर लिया जाएगा। एक्ट्रेस ने कड़ी मेहनत और अपनी बेहतरीन एक्टिंग से ये मुकाम हासिल किया है। आलिया सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। एक्सर वह पोस्ट शेयर कर अपने फैंस को फिल्मों और पर्सनल जिंदगी से जुड़ी अपडेट देती रहती हैं। एक्ट्रेस ने अब अपकमिंग फिल्म जिगरा के सेट से कुछ फोटोज अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर की हैं। हाल ही में आलिया की अपकमिंग फिल्म जिगरा का एक प्रोमो वीडियो सामने आया था, जिसे देखकर फैंस की एक्साइट्मेंट काफी बढ़ गई थी। इस बीच एक्ट्रेस ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर सेट से लेटेस्ट तस्वीरें भी शेयर की हैं। इन फोटो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने जिगरा फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। एक फोटो में आलिया मेकअप रूम में अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ दिखाई दे रही हैं, जबकि बाकी फोटोज में आलिया नो मेकअप लुक से हर किसी को अपना दिवाना बना रही हैं।

शूटिंग से तस्वीरें शेयर करते हुए, आलिया भट्ट ने लिखा, और हम आगे बढ़ने जा रहे हैं। हमारे जिगरा को जींदा करने का पहला दिन... देखते रहिए क्योंकि हम आपके लिए अपने दिल का एक टुकड़ा लेकर आ रहे हैं... आगे के सफर के लिए फिंगर्स क्रॉस्ड...लव टीम जिगरा। जिगरा धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है। इस पोस्ट पर एक्ट्रेस के फैंस ने कमेंट कर अपना प्यार दिया।

माधुरी के गाने पर ठुमके लगाएंगी सनी लियोनी

माधुरी दीक्षित की ब्लॉकबस्टर फिल्म याराना का सुपरहिट गाना मेरा पिया घर आया ओ राम जी अपने समय में काफी हिट साबित हुआ था। गाने को आज तक आइकोनिक माना जाता है। ऐसे में गाने के रीमेक से खासी उम्मीदें लगाई जा रही हैं।

सनी लियोनी का नाम बॉलीवुड की मशहूर आइटम सॉन्ग के लिए लिया जाता है। एक्ट्रेस की डांसिंग स्किल्स का कोई मुकाबला नहीं है, उनके गानों पर फैंस झूमने लगते हैं। ऐसे ही एक धमाकेदार आइटम सॉन्ग लेकर सनी जल्द ही स्क्रीन पर वापसी करने वाली हैं। गुरुवार को एक्ट्रेस ने अपने शोसल मीडिया अकाउंट पर मेरा पिया घर आया 2.0 का लेटेस्ट टीजर शेयर किया। इस टीजर वीडियो के जरिए बताया गया कि यह गाला माधुरी दीक्षित को स्पेशल ट्रिब्यूट के तौर पर हम मेरा पिया घर आया 2.0 लेकर आ रहे हैं। सनी लियोनी के अपकमिंग आइटम सॉन्ग मेरा पिया घर आया 2.0 के टीजर को देखने के बाद फैंस गाने की रिलीज का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। टीजर के आते ही वीडियो पर 100 मिलियन व्यूज भी आ गए। खबरों की मानें तो सनी का ये गाना आने वाले 8 अक्टूबर को रिलीज किया जाएगा। सनी ने टीजर के पोस्ट के कैप्शन में बताया, उन्हें इस बात की काफी खुशी हो रही है कि उन्हें माधुरी दीक्षित के इस आइकॉनिक सॉन्ग के रीमेक को करने का मौका मिला है।

अजब-गजब | अद्भुत चमत्कार! चमत्कारी है यह मंदिर

यहां सुबह कन्या तो शाम को बूढ़ी औरत में बदल जाती है माता की मूर्ति

भारत मंदिरों और आस्था का देश है। यहां मंदिरों से लोगों की आस्था जुड़ी होती है। यहां कई मंदिर तो ऐसे हैं जो चमत्कारी हैं। यहां भक्तों को अद्भुत चमत्कार देखने को मिलते हैं। कई चमत्कार तो ऐसे हैं, जिनके आगे विज्ञान भी फेल हो जाते हैं। जैसे हरिद्वार में मां गंगा अपने पवनपुत्र हनुमान को नहलाने खुद आती है तो रामेश्वरम में समुद्र खुद भगवान शिव का अभिषेक करने आता है। ऐसा ही एक चमत्कारीक मंदिर उत्तराखंड के श्रीनगर में भी है। यह मंदिर मां धारी का है। मां धारी को पहाड़ों और तीर्थयात्रियों की रक्षक देवी माना जाता है।

उत्तराखंड के श्रीनगर से 14 किलोमीटर की दूर मां धारी का मंदिर स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यहां भक्तों को हर दिन चमत्कार देखने को मिलता है। यहां मां धारी की मूर्ति दिन में तीन बार अपना रूप बदलती है। मां की मूर्ति सुबह एक कन्या की तरह दिखती है तो दोपहर को युवती में बदल जाती है वहीं शाम होते ही एक बूढ़ी महिला के रूप में बदल जाती है। भक्त भी मां के इस चमत्कार को देखकर हैरान रह जाते हैं। यह नजारा वाकई हैरान कर देने वाला होता है।

मां धारी के मंदिर के बारे में एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक बार बाढ़ में माता का मंदिर बह गया था। मंदिर के साथ माता की मूर्ति भी बह गई थी। माता की मूर्ति बहकर आगे धारो गांव के पास एक चट्टान के पास रुक गई। कहते हैं कि उस मूर्ति से एक ईश्वरीय आवाज निकली, जिसने गांव वालों को उस जगह पर मूर्ति स्थापित करने का निर्देश दिया। इसके बाद गांव वालों ने मां का आदेश मानकर वहां माता का मंदिर बना दिया। वहीं एक और कथा मां के बारे में प्रचलित है। माना जाता है कि वर्ष 2013 में माता के इस मंदिर को तोड़ दिया गया था और मां की मूर्ति को मूल स्थान से हटा दिया गया था। लोगों का मानना है कि इस वजह से उस साल उत्तराखंड में भयानक बाढ़ आ गई थी। उस बाढ़ में हजारों लोग मारे गए थे। माना जाता है कि धारा देवी की प्रतिमा को 16 जून, 2013 की शाम को हटाया गया था और उसके कुछ ही घंटों बाद राज्य में आपदा आई थी। इसके बाद में उसी जगह पर फिर से मंदिर का निर्माण कराया गया।

ये है दुनिया का सबसे बड़ा पिटबुल पलभर में दे सकता है दर्दनाक मौत

इंसान और कुत्तों के बीच का रिश्ता काफी क्लोज होता है। कुत्तों की गिनती दुनिया के सबसे वफादार जानवरों में होती है। अगर आप सड़क पर घूमने वाले कुत्तों को भी रोटी खिला देंगे तो वो पूरी उम्र आपके आगे-पीछे दुम हिलाएगा। ऐसे में पालतू डॉग्स की वफादारी का तो कहना ही क्या। पहले कुछ कुत्तों को अपने घर की सेफ्टी के लिए पालते थे। इसके बाद कुछ डॉग को पुलिस और मिलिट्री वाले पालने लगे। इन्हें सेफ्टी पर्पस से खूंखार बनाया जाता था। डोगरमैन और जर्मन शेफर्ड इसमें सबसे कॉमन ब्रीड थे। समय के साथ डॉग्स की ब्रीड पर काफी एक्सपेरिमेंट होने लगा। दो ब्रीड्स को क्रॉस कर नई ब्रीड बनाई जाने लगी। इसका अंजाम कई नए तरीकों के डॉग्स के जन्म के तौर पर हुई। बीते कुछ समय से डॉग के एक ब्रीड पिटबुल पर बैन लगाने की डिमांड चल रही है। दरअसल, इस ब्रीड के डॉग्स ने कई लोगों पर अटैक कर उनकी जान ले ली है। इस वजह से खतरे को देखते हुए इनपर बैन लगाने की बात चल रही है। पिटबुल तो होते ही खूंखार हैं। लेकिन अगर आपने दुनिया के सबसे बड़े पिटबुल को देख लिया तो आपके होश ही उड़ जायेंगे।

सोशल मीडिया पर एक शख्स ने अपने पालतू पिटबुल की तस्वीरें शेयर की। उसका दावा है कि ये दुनिया का सबसे बड़ा पिटबुल है। साथ ही उसने अपने डॉग से जुड़े कई खौफनाक सच भी लोगों को बताए। इस पिटबुल का नाम हल्क है। इसका वजन करीब 80 किलो है और जब ये अपने पिछले पैर पर खड़ा होता है तो इसकी हाइट 6 फीट हो जाती है। इसके मालिक मार्लोन ग्रीनन ने बताया कि वो इसे अमेरिका में लेकर रहता है जहां वो डॉग ब्रीड प्रोटेक्शन के लिए काम करता है। हल्क को देखकर कोई भी डर जाता है। मार्लोन ने बताया कि पिछले कुछ समय से पिटबुल पर बैन लगाने की बात चल रही है। उसके हल्क के कई बच्चों को यूके में इलीगल तरीके से भेजा गया है। यानी हल्क जैसे और भी कुत्ते यूके में मौजूद हैं। हल्क की कीमत दो करोड़ है। ऐसे में इसके बच्चों को भी अच्छी-खासी कीमत पर बेचा गया होगा। बता दें कि यूके में पिटबुल बैन है। लेकिन इलीगल तरीके से उन्हें वहां आज भी पाला जाता है। मार्लोन ने बताया कि हल्क के दो बच्चों की उसे जानकारी है। बाकी के बारे भी नहीं जानता।

मप्र में पीएम और सीएम की जंग भाजपा में कलह तय : कमलनाथ

बोले- शिवराज मोदी पर दबाव बनाने की कोशिश में लगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले नेताओं की बयानबाजी से सियासी पारा चढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में पीसीसी चीफ और पूर्व सीएम कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर बड़ा हमला बोला है। पूर्व सीएम और पीसीसी चीफ कमलनाथ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मध्य प्रदेश भाजपा में हताशा चरम पर है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम लेना बंद कर दिया और उन्हें मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर कर दिया। इसके जवाब में प्रधानमंत्री पर दबाव बनाने के लिए पहले तो मुख्यमंत्री ने जनता के बीच यह पूछना शुरू किया कि मैं चुनाव लड़ूं या नहीं लड़ूं और अब सीधे पूछ रहे हैं कि मोदी जी को प्रधानमंत्री होना चाहिए या नहीं।

नाथ ने कहा कि पीएम और सीएम की जंग में, भाजपा में जंग होना तय है। जिन्हें टिकट मिला, वह लड़ने को तैयार नहीं है और जो टिकट की रेस से बाहर हैं, वह सबसे लड़ते फिर रहे हैं। बता दें सीएम शिवराज जनता से पूछ रहे है कि मैं चुनाव लड़ू या नहीं लड़ू। तीन अक्टूबर को सीएम ने बुदनी में पूछा कि मैं चुनाव लड़ूं या नहीं? यहां से लड़ू या नहीं? चार अक्टूबर को उन्होंने बुरहानपुर में कहा कि मैं देखने में दुबला पतता हूं, पर लड़ने में तेज हूं। इससे पहले सीहोर में कहा था कि मैं चला जाऊंगा तो बहुत याद आऊंगा। डिंडौरी में जनता से पूछा कि सरकार कैसी चल रही है, सीएम बनूं या नहीं? उन्होंने मीडिया के इन बयानों को देने को लेकर सवाल किया तो बोले कि इसे समझने के लिए गहरी दृष्टि चाहिए।

राहुल व प्रियंका मंडला महाकौशल-विंध्य की 68 सीटों को साधेंगे

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा के बाद कांग्रेस नेताओं ने भी अपने दौरे तेज कर दिए हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी 12 अक्टूबर को मंडला आएंगी। वहीं, इसके दो दिन पहले 10 अक्टूबर को राहुल गांधी शहडोल जिले के ब्यौहारी में जनसभा को संबोधित करेंगे। महाकौशल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के सात दिन बाद अब कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी हुंकार भरेंगी। प्रियंका गांधी 12 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे मंडला में एक जनसभा को संबोधित करेंगी। यह महाकौशल का प्रियंका का दूसरा दौरा है। इससे पहले प्रियंका 12 जून को जबलपुर में जनसभा में शामिल हुई थीं।

ओबीसी कमीशन का विरोध करने वाले बताएं 60 साल में क्या किया : सिंधिया

प्रियंका गांधी द्वारा छत्तीसगढ़ में जातिगत जनगणना कराने के बयान पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पलटवार किया है। सिंधिया ने कहा है कि जिस पार्टी ने कभी भी पिछड़े वर्गों के लिए कुछ नहीं किया। 70 वर्षों में पिछड़ा वर्ग कमीशन भी आया तो मुरारजी देसाई के समय में आया और कांग्रेस ने विरोध किया। लागू हुआ तो वीपी सिंह की सरकार में लागू हुआ और कांग्रेस ने विरोध किया। सिंधिया ने कहा अगर अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के लिए कुछ किया है तो पीएम नरेंद्र मोदी ने किया है। जहां 60 प्रतिशत मंत्रिमंडल के सदस्य एससी एसटी और ओबीसी से आते हैं। आरक्षण देने का कदम उठाया है प्रधानमंत्री जी ने उठाया है। 65 वर्ष राज किया है देश में उन्होंने पिछड़े वर्गों के लिए क्या किया है। यह चाहते हैं कि चुनाव के उत्सव में पूरे देश में नया विषय उठाया जाए। लेकिन वह विकास की बात जनता के सामने करें कि उन्होंने किया क्या है।

सिक्किम में बाढ़ से अब तक 53 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। सिक्किम में अचानक आई बाढ़ में सात सैनिकों सहित कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई है, पिछले तीन दिनों में पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल में तीस्ता नदी के तल में 27 और शव पाए गए हैं। इनमें से सात शवों की पहचान कर ली गई है।140 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं और हजारों लोग विस्थापित हो गए हैं। सिक्किम सरकार ने बताया है कि 1,173 घर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 2,413 लोगों को बचाया गया है। तीस्ता- हाइड्रोपावर स्टेशन की ओर जाने वाले सभी पुल डूब गए हैं या बह गए हैं, जिससे उत्तरी सिक्किम से कम्युनिकेशन बाधित हो गया है।

» तीस्ता नदी में 27 शव मिले, 140 अब भी लापता

सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने बचाव, राहत और रिस्टोरेशन की रणनीति तैयार करने के लिए कल एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। चुंगथांग तक सड़क संपर्क खोलने को प्राथमिकता दी गई है, जबकि नागा से टूंग तक सड़क का निर्माण जल्द से जल्द जमीन की उपलब्धता के आधार पर किया जाएगा। मारे गए लोगों के परिजनों के लिए 4 लाख रुपये मुआवजे का ऐलान किया गया है। सिक्किम के अधिकारी चुंगथांग के लिए सड़क संपर्क को फिर से खोलने और नागा से टूंग तक भूमि की उपलब्धता के आधार पर सड़क का निर्माण करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। पूरे दिन, विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मुख्य सचिव से मुलाकात कर उन्हें सड़क संपर्क, राहत और पुनर्वास और बचाव कार्यों की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

भारत के उपराष्ट्रपति की कोई भी यात्रा अचानक नहीं होती : धनखड़

» गहलोत पर निशाना- सवाल उठाने वालों ने न तो संविधान पढ़ा न कानून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधा है। धनखड़ ने कहा, लोग कह रहे हैं, क्यो आते हो बार-बार। पता नहीं क्यों कह रहे हैं। ऐसा कहने वाले ने न तो संविधान को पढ़ा, न कानून को। ना ही उन्होंने अपने पद की मर्यादा रखी। थोड़ा कानून में झांक लेते तो उन्हें पता चल जाता कि भारत के उपराष्ट्रपति की कोई भी यात्रा अचानक नहीं होती। बहुत सोच-विचार और मंथन के बाद होती है।

दरअसल, गहलोत ने पिछले महीने उपराष्ट्रपति के लगातार राजस्थान दौरे पर तंज कसते हुए कहा था कि अब सिर्फ राष्ट्रपति का आना ही बाकी है। गहलोत ने कहा था कि चुनाव को ध्यान में रखते हुए उपराष्ट्रपति को अभी राजस्थान नहीं आना चाहिए। धनखड़ ने शुक्रवार को गहलोत का नाम लिए बिना कहा, आपने कह दिया, मेरा आना ठीक नहीं है। किस कानून के तहत मेरा आना ठीक नहीं है। उपराष्ट्रपति ने कहा, यहां आने से पहले रास्ते में दुखी मन से मैंने एक कविता लिखी, खता क्या की हमने पता ही नहीं, आपत्ति क्यूं है उन्हें हमारे घर आने की, पता ही नहीं। ये कैसा मंजर है समझ से परे है, सवालिया निशान क्यों है अपने घर आने, क्या जुल्म है? पता ही नहीं।

डिस्ट्रॉफी रोगियों का मामला : 251 बच्चों की सहायता की याचिका सुप्रीम दरबार में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित लगभग 251 बच्चों द्वारा इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को चार सप्ताह के भीतर उनकी याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया।

केंद्र-राज्यों से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के उन्नत स्तर वाले रोगियों द्वारा उनके आजीवन इलाज के लिए कई करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की मांग करने वाली याचिका पर केंद्र और राज्यों से जवाब मांगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित लगभग 251 बच्चों द्वारा इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र को चार सप्ताह के भीतर उनकी याचिका पर जवाब देने का निर्देश दिया।

मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (एमडी) आनुवांशिक बीमारियों के एक समूह को संदर्भित करता है जो कंकाल की मांसपेशियों की प्रगतिशील कमजोरी और गिरावट का कारण बनता है। ये विकार शुरुआत की उम्र, गंभीरता और प्रभावित मांसपेशियों के पैटर्न में भिन्न होते हैं। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए वकील उत्सव बैंस ने बताया कि मस्कुलर डिस्ट्रॉफी को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। जबकि पहले स्तर को दवा और भौतिक चिकित्सा से ठीक किया जा सकता है, दूसरे और तीसरे स्तर जटिल होते हैं और आनुवंशिक चिकित्सा की आवश्यकता होती है। उनके अनुसार, यह एक महंगा इलाज है और याचिकाकर्ताओं की तरह आम लोगों की पहुंच से बाहर है और जीन थेरेपी केंद्र हर राज्य में स्थित नहीं हैं।

याचिका में कहा गया है कि जहां इस बीमारी के पहले स्तर को दुर्लभ बीमारियों की राष्ट्रीय नीति के तहत 50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता से कवर किया जाता है, वहीं दूसरे और तीसरे स्तर के रोगियों की सहायता के लिए कोई वित्तीय प्रोत्साहन नहीं है। बैंस ने कहा कि राष्ट्रीय नीति कई मरीजों तक नहीं पहुंच पाई है क्योंकि इलाज की लागत बहुत अधिक है और एक मरीज के लिए कई करोड़ रुपये है।

एशियाई खेलों में भारत ने लगाया पदकों का शतक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हांगझोऊ। महिला कबड्डी टीम ने भारत के लिए 100वां मेडल जीता है। कबड्डी में महिलाओं ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एशियाई खेलों में 100 मेडल जीतन पर भारतीय दल को बधाई दी है। इससे पहले शानिवार को तीरंदाजी में चार पदक आए. ओजस देवतले ने एशियाई खेलों में पुरुषों की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि अभिषेक वर्मा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उनसे पहले ज्योति ने महिलाओं की कंपाउंड फाइनल में दक्षिण कोरिया की सो चैवोन को 149-145 से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

भारतीय तीरंदाज अदिति स्वामी ने एशियाई खेलों में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता. हांगझाउ में जारी एशियाई खेलों में आज का दिन बहुत ही ऐतिहासिक है क्योंकि भारत ने आधिकारिक तौर पर अपने पदकों की संख्या को सौ के पार पहुंचाया है, हालांकि, उसके ये पदक शुक्रवार को ही सुनिश्चित हो चुके थे। भारत की साई संहिता अकुला वर्तमान में लेडीज आर्टिस्टिक सिंगल फ्री स्केटिंग में 32.69 अंकों के साथ शीर्ष पर हैं। उनके बाद कोरिया की सेवू शिन हैं, जिनका 31.59 है. एक अन्य भारतीय ग्रीष्मा डोनतारा

100वां

मेडल जीता महिला कबड्डी टीम ने भारत के लिए

28.70 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पहलवान दीपक पुनिया ने एशियाई खेलों के पुरुष फ्रीस्टाइल 86 किग्रा फाइनल में प्रवेश किया, जिससे भारत के लिए कम से कम रजत पदक पक्का हो गया। जुजित्सु स्पर्धा में भारत के तीनों खिलाड़ी उमा महेश्वर रेड्डी, किरण कुमारी और अमरजीत सिंह हारकर बाहर. उमा महेश्वर रेड्डी को थाईलैंड के सूकनाती सुंत्रा ने पुरूषों के 85 किलोवर्ग के अंतिम 32 में हराया. वहीं किरण कुमारी को मंगोलिया की बायारामा ने महिलाओं के 63 किलोवर्ग में अंतिम 16 में मात दी।

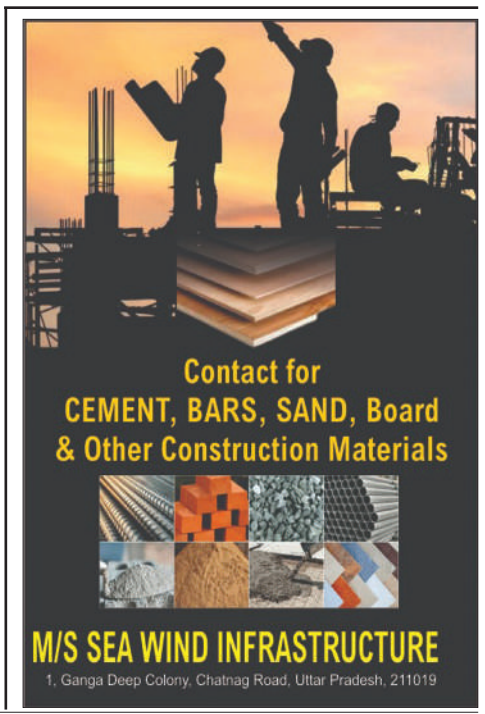

रेल में शर्मनाक हरकत : आरपीएफ की कार्रवाई पर उठे सवाल

शराबी युवक को रोका तो बुजुर्ग वैज्ञानिक दंपति पर किया पेशाब

मामूली अपराध बताकर युवक को थाने से ही छोड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। भारतीय रेलवे में एक शर्मसार घटना घटी है। एक शराबी युवक ने एक बुजुर्ग वैज्ञानिक व उनकी पत्नी पर पेशाब कर दिया। शराबी ने जो कृत्य किया वह तो अक्षम्य है, पर उससे बड़ा रवैया तो आरपीएफ का रहा जिसने आरोपी को कड़ी सजा देने बजाए मामूली अपराध बताकर छोड़ दिया। दरअसल, किसी पर पेशाब करना कितना बड़ा गुनाह है। कोई भी कहेगा...अमानवीय घृणित और जघन्य। अगर यह कृत्य एक बुजुर्ग वैज्ञानिक और उनकी पत्नी के साथ हुआ हो तो इसकी गंभीरता और बढ़ जाती है। लेकिन आरपीएफ ने इसे मामूली अपराध की तरह से लिया और बुजुर्ग दंपती पर पेशाब करने वाले को लिखा-पढ़ी में रेलवे एक्ट के उल्लंघन में मुचलका भरवाकर घर भेज दिया।

मध्यप्रदेश में ऐसा ही मामला राष्ट्रीय सुर्खियां बना था। हवाई जहाजों में हुई ऐसी घटनाओं में सख्त कार्रवाइयां हुईं पर ट्रेन में इस अपराध पर आरपीएफ ने आरोपित को घर भेजकर पल्ला झाड़ लिया। शर्मसार कर देने वाली यह घटना बुधवार की रात झांसी के पास संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में हुई थी। दरअसल बनारस हिंदू विवि से सेवानिवृत वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. जीएन खरे अपनी पत्नी ऊषा खरे के साथ हरपालपुर मध्यप्रदेश से हजरत निजामुद्दीन जा रहे थे। यह दंपती एसी कोच में सवार थे। इस बुजुर्ग दंपती की सीट के बगल में दिल्ली निवासी रितेश भी सफर कर रहा था। रितेश रास्ते भर शराब पीता हुआ आया। हालांकि वैज्ञानिक जीएन खरे ने उसे कई बार टोका लेकिन वह नहीं माना। टोकाटोकी से नाराज होकर उसने वैज्ञानिक और उनकी पत्नी पर पेशाब कर दिया। हल्ला मचने पर कंट्रोल रूम को सूचित किया गया। जब ट्रेन झांसी रेलवे स्टेशन पर पहुंची तो आरपीएफ ने रितेश को ट्रेन से उतार लिया और रेलवे एक्ट में कार्रवाई करते हुए मुचलका भरवाकर उसे घर भेज दिया।

वैज्ञानिक का एक्शन पर एतराज

आरपीएफ की कार्रवाई से पीड़ित वैज्ञानिक डा. जीएन खरे दुखी नजर आए। उन्होंने कहा कि काफी मना करने के बाद भी युवक उनके और उनकी पत्नी के ऊपर पेशाब करता रहा था। लाइट जलाने के बाद भी वह नहीं माना था। उन्होंने कहा कि किसी महिला के सामने कोई नग्न अवस्था में खड़ा होकर इस तरह की गंदी हरकत कर रहा है और पुलिस ने उसे थाने से ही छोड़ दिया। यह बहुत बड़ा अपराध है। इसमें युवक को कम से कम जेल तो भेजा जाना ही चाहिए था।

डीआरएम ने दिए जांच के निर्देश

चलती ट्रेन में बुजुर्ग वैज्ञानिक और उनकी पत्नी के ऊपर शराबी यात्री द्वारा पेशाब करने की घटना के तूल पकड़ने के बाद रेल प्रशासन सक्रिय हो गया है। मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा की ओर से घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। इस मामले में आरपीएफ ने आरोपी के खिलाफ रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई की है। यात्री की ओर से शिकायत आने पर तत्काल एक्शन लेते हुए आरोपी को पकड़ लिया गया था।

एनसीपी विधायक जयंत पाटिल भी पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा में स्पीकर की ओर से विधायकों की अयोग्यता के मामले में एनसीपी एमएलए जयंत पाटिल ने भी सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। अर्जी में कहा गया है कि दो महीने से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन अब तक स्पीकर ने संबंधित विधायकों को नोटिस देकर पूछताछ के लिए तलब भी नहीं किया है, अयोग्यता की अर्जी दो जुलाई को दी गई, जबकि रिमाइंडर और रिप्रेजेंटेशन पांच सितंबर और सात सितंबर को दिया गया था।

जयंत पाटिल ने याचिका में कहा है कि उन्होंने स्पीकर से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात कर इस मामले पर शीघ्र निर्णय करने का आग्रह किया था। उम्मीद है कि सोमवार को सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर सुनवाई कर सकता है। पाटिल ने अपनी याचिका में चुनाव आयोग में चल रहे मामले का भी जिक्र किया है।

उन्होंने कहा है कि बागी विधायकों ने आयोग में अर्जी लगाई है, जिस पर नोटिस जारी हुआ है, उधर, विधानसभा में स्पीकर ने अनुशासन हीनता के आरोपी विधायकों की अयोग्यता पर शीघ्र निर्णय लेने के लिए दाखिल शरद पवार गुट की ओर से 09 जुलाई 2023 को दी गई अर्जी पर कोई भी कार्यवाही पूरी नहीं की है।

अतीक अहमद की भाभी जैनब फातिमा ने एफआईआर रद्द करने की अपील की

» उमेश पाल हत्याकांड में कोर्ट पहुंची, दाखिल की अर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ की मोस्ट वांटेड पत्नी जैनब फातिमा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए नया पैंतरा अपनाया है। उसने उमेश पाल शूटआउट केस की एफआईआर रद्द करने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट से गुहार लगाई है। बहन शबाना अनीस के नाम से याचिका दाखिल कर जैनब फातिमा ने प्रयागराज पुलिस की एफआईआर को रद्द करने की मांग की।

बता दें कि, प्रयागराज पुलिस ने जांच के आधार पर उमेश पाल शूटआउट केस में जैनब फातिमा को भी आरोपी बनाया है। जैनब फातिमा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं. बहन शबाना अनीस की अर्जी पर हाई कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई होने की उम्मीद है।

अर्जी की कॉपी प्रयागराज पुलिस को मिल चुकी है, प्रयागराज पुलिस मामले में जवाब दाखिल करने वाली है उमेश पाल के परिवार वालों की तरफ से याचिका का विरोध किए जाने की संभावना है। जैनब फातिमा अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल करने के लिए अगस्त महीने में हाई कोर्ट आई थी। आइडेंटिफिकेशन सेंटर में फोटो खिंचाने से बचने के लिए अब उसने बहन की तरफ से याचिका दाखिल कराई है।

इजरायल में हमास के हवाई हमले के बाद युद्ध जैसे हालात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

येरुशलम। गाजा से हमास ने इजरायल पर अचानक रॉकेट अटैक शुरू कर दिए, जिसके बाद युद्ध की स्थिति बन गई। रॉकेट दागे जाने के बाद इजरायल के चार लोगों की मौत हो गई और लगभग 16 लोग घायल हैं।

शनिवार तड़के गाजा के आसपास के दक्षिणी इलाकों और बड़े तेल अवीव क्षेत्र में रॉकेट की चेतावनी देने वाले सायरन काफी देर तक बजते रह गए। गाजा पट्टी से भारी मात्रा में रॉकेटों की बौछार और इसके दक्षिणी क्षेत्र में घुसपैठ के बीच इजरायल ने शनिवार सुबह युद्ध के लिए तत्परता की स्थिति की घोषणा कर दी है।

अंतरिक्ष में यात्रियों को भेजने की तैयारी, जल्द शुरू होगा परीक्षण

» पहला मानवरहित गगनयान मिशन अगले साल होगा लॉंच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। भारत की चांद पर सफल लैंडिंग के बाद अब अंतरिक्ष में यात्रियों को भेजने की तैयारी शुरू हो चुकी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बताया कि गगनयान मिशन के लिए मानवरहित उड़ान परीक्षण जल्द शुरू करने वाला है।

बता दें, करीब 900 करोड़ रुपये की लागत का यह अभियान अगले वर्ष लॉन्च होगा। इससे पहले इसके लिए तीन वाहन परीक्षण किए जाने हैं। इनमें पहला वाहन परीक्षण मिशन टीवी-डी1, दूसरा टीवी-डी2 मिशन और तीसरा परीक्षण एलवीएम3-जी1

होगा। यह मानव रहित मिशन होगा। इसरो ने बताया कि जल्द गगनयान के परीक्षण वाहन को लॉन्च किया जाएगा। ताकि क्रू एस्केप सिस्टम का परीक्षण किया जा सके। इसके लिए फ्लाइट टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन-1 (टीवी-डी1) की तैयारी चल रही है। गौरतलब है, रोबोट और ह्यूमनोइड (मानव जैसा रोबोट) को अंतरिक्ष में भेजकर क्रू की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

नूंह में भीषण सड़क हादसा, चार लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नूंह/मेवात। नूंह के रोजका मेव थाना क्षेत्र में केएमपी पर भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि सड़क पर एक खराब ट्रक खड़ा था, जिसका कामगार ठीक कर रहे थे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रक में पीछे से आ रही दो गाड़ियां टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे सुबह साढ़े छह बजे हुए हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। हादसा एक खराब ट्रक के चलते हुआ। ट्रक को खड़ा कर चालक और सह चालक सही कर रहे थे। इसी दौरान तेज गति से पीछे से आ रहे कोयले से लदे वाहन चालक ने ध्यान नहीं दिया और ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद खराब ट्रक से भी एक वाहन और टकाया, जबकि हादसे से बचने के लिए एक वाहन चालक ने ब्रेक लगाई, लेकिन एक्सप्रेस वे पर ढलान होने के चलते वाहन में ब्रेक नहीं लगे और वो डिवाइडर पर चढ़ा गया और फ्लाईओवर से नीचे गिर गया।

खड़े ट्रक से भिड़ा कोयले से लदा वाहन

फ्लाईओवर से नीचे गिरने की वजह से ट्रक चालक तथा परिचालक की मौत हो गई। वहीं, पीछे से घुसे कोयले से लदे ट्रक के चालक और सह चालक की भी मौत हो गई। रोजकामेव थाना पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में ले लिया और उनकी पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी चालक और परिचालकों की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं, दूसरी ओर चार वाहनों के आपस में भिड़ने से सड़क पर लंबा जाम लग गया है। पुलिस ने वाहनों को क्रेन से हटाया जा रहा है।

डोडा में वाहन खाई में गिरा, तीन मजदूरों की मौत, पांच गंभीर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोड जिले में शुक्रवार की देर रात बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मजदूर खेलानी में वाहन में सवार हुए और मरमट इलाके में अपने घरों की ओर जा रहे थे। वाहन शुक्रवार रात करीब 10.40 बजे हम्बल गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय स्वयंसेवकों और पुलिस ने बचाव अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने तीन मजदूरों मणि कुमार (31), करण जीत सिंह (40) और लाल चंद (45) को मौके पर ही मृत पाया। पांच अन्य घायल अवस्था में मिले। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनका सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल डोडा में इलाज चल रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।